महत्वपूर्ण एवं खास

निर्माण स्थल में तोड़फोड़ कर लाखों का किया नुकसान

रायपुर (आरएनएस)। निर्माण स्थल में तोडफ़ोड़ कर 3 लाख का नुकसान पहुंचाने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रितेश कुमार महतो 49 वर्ष अवनी प्राइड दलदल सिवनी का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी अखिलेश सिंह, बसंत व अन्य ने प्रार्थी को फुण्डहर में अपनी जमीन पर निर्माण कराने से रोककर धमकी दिया और निर्माण स्थल में तोडफ़ोड़ कर ढाई लाख के छड़ सीमेंट को ले गया। जिससे प्रार्थी को करीब 3 लाख का नुकसान हुआ है। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से नकदी सहित 9 लाख के जेवर पार

रायपुर (आरएनएस)। सन सिटी आमानाका स्थित सूने मकान का ताला तोडक़र अज्ञात चोर ने नकदी 80 हजार सहित सोने-चांदी का जेवर पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया निर्मला मिश्रा 59 वर्ष सन सिटी आमानाका की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोडक़र आलमारी में रखे नकदी 80 हजार सहित सोने-चांदी का जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 9 लाख 80 रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थिया की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

शादी समारोह के दौरान युवक की संदिग्ध मौत

कोरबा (आरएनएस)। मानिकपुर चैकी क्षेत्र के हेलीपैड मुख्य मार्ग पर स्थित ब्राह्मण भवन में शनिवार शाम को चल रहे हल्दी रस्म के दौरान एक युवक की रहस्यमयी मौत की घटना ने सबको चैका दिया। शादी समारोह के दौरान, एक अज्ञात युवक नशे की हालत में कार्यक्रम में प्रवेश करता दिखाई दिया। समारोह की हलचल जारी रहने के बीच, अगली सुबह भवन की दीवार के पास युवक का शव पाया गया। जांच में मृतक की पहचान मुड़ापार निवासी अभिषेक श्रीवास (26) के रूप में हुई, जो टेंट हाउस में मजदूर के रूप में कार्य करता था।

आशीर्वाद जैनको टेंट हाउस पर जीएसटी का छापा, 7 घंटे तक चली कार्यवाई

भिलाई (आरएनएस)। आशीर्वाद जैनको टेंट हाउस के संचालक राजीव जैन उर्फ पप्पू के दफ्तर और घर पर जीएसटी विभाग की टीम ने छापा मारा। यह छापा दोपहर 3 बजे शुरू हुआ और 7 घंटे तक लगातार चलता रहा। जीएसटी विभाग की टीम को भारी पैमाने पर जीएसटी चोरी के आरोपों के तहत कार्रवाई करनी पड़ी। टीम ने संचालक के ऑफिस और घर से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज़ जब्त किए। जीएसटी दुर्ग के डिप्टी कमिश्नर संदीप यदु की अगुवाई में आधा दर्जन अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम ने यह छापा मारा। कार्रवाई के बाद अधिकारियों ने कुछ दस्तावेज़ और सामान जब्त कर लिए और टेंट हाउस के दफ्तर को सील कर दिया। यह कार्रवाई जीएसटी चोरी के बढ़ते मामलों को लेकर की गई है और आगे की जांच जारी रहेगी।

राजिम कुंभ में पंचकोशी यात्रा की झांकी श्रद्धालुओं को कर रही आकर्षित, प्रस्तुत कर रही है आस्था और संस्कृति की झलक

रायपुर

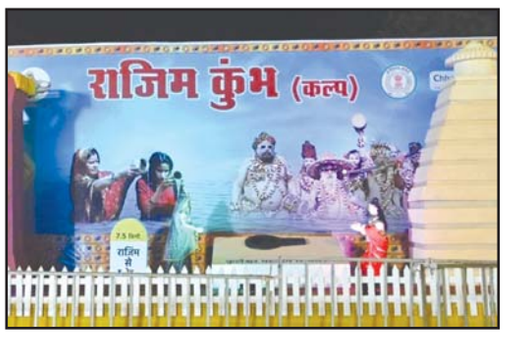

राजिम कुंभ कल्प मेला में इस बार पहले से अधिक भव्य और आकर्षक रूप में आयोजित किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की आस्था, भक्ति और संस्कृति का संगम इस मेले में देखने को मिल रहा है। मेले में दिनभर भजन-कीर्तन की गूंज के साथ देशभर के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जा रही हैं। इस बार पंचकोशी यात्रा की थीम पर बनी झांकी मेलार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, जो आस्था और संस्कृति की झलक प्रस्तुत कर रही है।

चौबेबांधा के नए मेला मैदान में पंचकोशी यात्रा की झांकी बनाई गई है, जो मेलार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है। श्रद्धालु इस झांकी के समक्ष श्रद्धाभाव से शीश झुकाकर पुण्य लाभ ले रहे हैं। इस झांकी के माध्यम से पंचकोशी यात्रा के पांचों महादेव मंदिरों, यात्रा मार्ग और उनकी दूरी की जानकारी दी जा रही है।

छत्तीसगढ़ में राजिम मेला से एक माह पूर्व पंचकोशी यात्रा निकाली जाती है, जिसमें हजारों श्रद्धालु क्षेत्र के प्रमुख शिव मंदिरों की पदयात्रा कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं। यह यात्रा राजिम त्रिवेणी संगम में स्थित कुलेश्वर महादेव मंदिर से आरंभ होती है और वहीं समाप्त होती है।

श्रद्धालु पाँच प्रमुख शिवलिंगों के दर्शन करते हुए यह यात्रा पूर्ण करते हैं। यात्रा के मुख्य पड़ाव इस प्रकार हैं। पटेश्वर महादेव मंदिर (पटेवा), राजिम से 5 किमी दूर, यहाँ भगवान शिव अन्नब्रह्मा के रूप में पूजे जाते हैं। चंपेश्वर महादेव (चंपारण) मंदिर राजिम से 14 किमी उत्तर स्थित है, जहाँ स्वयंभू शिवलिंग विराजमान है। ब्रम्हनेश्वर महादेव (बम्हनी, महासमुंद) चंपेश्वर से 9 किमी दूर, यहाँ भगवान शिव का अघोर रूप उकेरा गया है। फणीकेश्वर महादेव (फिंगेश्वर, गरियाबंद) यहाँ शिवलिंग की ईशान रूप में पूजा की जाती है, और माता अंबिका इनकी अर्धांगिनी हैं। कोपेश्वर महादेव (कोपरा, गरियाबंद) यहाँ भगवान शिव वामदेव रूप में पूजे जाते हैं, और माता भवानी आनंद का प्रतीक मानी जाती हैं। यात्रा के समापन पर श्रद्धालु त्रिवेणी संगम स्थित कुलेश्वर महादेव के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करते हैं।

श्रद्धालु अपने सिर पर रोजमर्रा के सामान लादकर 'महादेव' और 'राम सिया राम' का जाप करते हुए यात्रा करते हैं। यह यात्रा अध्यात्मिक शांति, पुण्य अर्जन और काम, क्रोध, मोह, लोभ और मद जैसे विकारों से मुक्ति दिलाने में सहायक मानी जाती है। हथखोज स्थित शक्ति लहरी माता के दरबार में श्रद्धालु परसा पान, नारियल, अगरबत्ती और धूप समर्पित करते हैं। मकर संक्रांति के दिन श्रद्धालु नदी में सूखा लहर लेते हैं। इससे पहले रेत से शिवलिंग बनाकर उनकी पूजा-अर्चना की जाती है।

राजिम कुंभ केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है। यहाँ श्रद्धालुओं को पंचकोशी यात्रा का आध्यात्मिक लाभ एक ही स्थान पर मिल रहा है। इस मेले में मनोरंजन, आध्यात्म और श्रद्धा का अद्भुत समन्वय देखने को मिल रहा है।

नक्सली हिड़मा माड़वी ढेर, एक करोड़ रुपए से ज्यादा के इनामी भी मारे गए

बीजापुर । आरएनएस

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में हुए एनकाउंटर में नक्सली हिड़मा माड़वी भी ढेर हुआ है. इसके साथ ही एक करोड़ रुपए से ज्यादा के इनामी नक्सली मारे गए हैं. पुलिस ने 28 नक्सलियों की पहचान कर सूची भी जारी कर दी है.

5 दिन पहले हुई थी मुठभेड़

दरअसल छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क में 9 फरवरी को पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी. इस गोलीबारी में जवानों ने 31 नक्सलियों को मार गिराया था. हालांकि इस घटना में दो जवान भी शहीद हो गए थे. सभी मारे गए नक्सलियों की पुलिस पहचान कर रही थी. इनमें से 28 नक्सलियों की पहचान हो गई है. इसकी सूची भी पुलिस ने जारी कर दी है. इन सभी पर छत्तीसगढ़ सरकार की अलग-अलग ईनामी राशि है.

इन नक्सलियों को मार गिराया

बीजापुर में हुई मुठभेड़ में बस्तर डिवीजन कमेटी का सचिव हूंगा कर्मा उर्फ सोनकू इस मुठभेड़ में मारा गया है. इस पर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित है. सुभाष ओयाम, सन्नू उडक़ा, मनीराम कुहरामी, अमर मंडावी, भरत ठाकुर, सरोज अवलम, आयते माड़वी, सोनू हपका, मोटू उर्फ कोशा पोटाम, मंगू हेमला, राजू मज्जी, संजय कुमार कुम्मा, सुखमती पोयाम, मैनी पुनेम, मीना कुंजाम, मैनी भी मारी गई है. इन सभी पर 5-5 लाख रुपए का इनाम घोषित है.

इनके अलावा वेडज़ा पेंटराम, मेट्टा हनमैया, सन्नू मज्जी, रमेश कुमार, सोनू माड़वी, शांति पोडिय़ामी, शशिकला, सजंती मडक़म, मल्ली, हिड़मा माड़वी और ज्योति हेमला भी मारी गई है. इन पर दो-दो लाख रुपए का इनाम घोषित है.

जानें कौन था हिड़मा

मारा गया नक्सली हिड़मा माड़वी बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के डोडी तुमनार का रहने वाला था. वह नक्सलियों के पश्चिम बस्तर डिवीजन का पार्टी सदस्य था. इस पर दो लाख रुपए का इनाम घोषित था.

बाकी नक्सलियों की पहचान कर रही पुलिस

मारे गए तीन पुरुष नक्सलियों की अभी पहचान नहीं हुई है. पुलिस उनकी पहचान कर रही है. बस्तर के आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि मारे गए 28 नक्सलियों की पहचान कर ली गई है.बाकियों की पहचान की जा रही है.

मुठभेड़ में मारे गए वेस्ट बस्तर डिवीजन सचिव, ष्ठङ्कष्टरू हुंगा कर्मा उर्फ सोनकू वर्ष 1996 में नक्सली संगठन में भर्ती होकर लंबे समय से संगठन में सक्रिय रूप से काम कर रहा था .

हुंगा कर्मा उर्फ सोनकू के खिलाफ बीजापुर जिले के विभिन्न थानों में हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, लूट, अपहरण, कैम्प अटैक और पुलिस पार्टी पर हमला जैसे मामलों के 08 अपराध पंजीबद्ध और 03 स्थाई वारंट लंबित पाया गया है .बीजापुर के एसपी डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि नेशनल पार्क एरिया में हुई मुठभेड़ में मारे गए 31 माओवादियों में से 11 महिला और 17 पुरुष माओवादियों की पहचान पूरी हो चुकी है. मारे गए 28 माओवादियों के शव विधिवत परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है .

180 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त, एक गिरफ्तार

❒ शराब बनाने में प्रयुक्त गैस सिलेंडर, चूल्हा, बर्तन जप्त

कोरबा । आरएनएस

कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितिश ठाकुर, यातायात, साइबर प्रभारी रविंद्र कुमार मीना एवं नगर पुलिस अधीक्षक विमल पाठक के मार्गदर्शन में थाना दीपका पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम केराकछार में छापामार कार्यवाही की गई।

छापा कार्यवाही के दौरान कथित आरोपियों से 180 लीटर महुआ शराब बरामद की गई। शराब के साथ ही, शराब निर्माण में प्रयुक्त बर्तन, गैस सिलेंडर जप्त किया गया। साथ ही लगभग 500 किलोग्राम महुआ लहान एवं भ_ी को नष्ट किया गया।

इस संबंध में थाना दीपका में उपरोक्त आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में ले कथित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेज दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में अबतक करीब 4 करोड़ का चुनावी शराब जब्त.. अलग-अलग जिलों में आबकारी अमले को मिली कामयाबी

रायपुर । आरएनएस

छत्तीसगढ़ प्रदेश में आदर्श आचार संहिता के दौरान आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। यह अभियान 1 फरवरी से 12 फरवरी के बीच चलाया गया, जिसमें कई जिलों में छापेमारी कर बड़ी मात्रा में अवैध शराब और वाहनों को जब्त किया गया।

7 जिलों में छापेमारी, करोड़ों की जब्ती

यह कार्रवाई कबीरधाम, राजनांदगांव, दुर्ग, कोरबा, बेमेतरा, बलौदाबाजार और राजधानी रायपुर सहित कुल 7 जिलों में की गई। इस दौरान 3 करोड़ 83 लाख 47 हजार 950 रुपये मूल्य की देशी-विदेशी शराब और परिवहन में इस्तेमाल किए गए वाहन जब्त किए गए।

आबकारी आयुक्त के निर्देश पर चला अभियान

यह विशेष अभियान आबकारी विभाग की सचिव सह आबकारी आयुक्त आर. शंगीता के निर्देश पर संचालित किया गया। 11 फरवरी को नगरीय निकाय चुनाव का मतदान संपन्न होने के बाद भी कार्रवाई लगातार जारी रही।

15 फरवरी को नगरीय निकाय चुनाव के परिणाम घोषित किए जाएंगे, जिसके बाद त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की प्रक्रिया पुन: शुरू होगी। इसी के मद्देनजर आबकारी विभाग अवैध शराब के खिलाफ धरपकड़ अभियान जारी रखे हुए है, ताकि चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और सुव्यवस्थित बनाया जा सके।

विश्व पुस्तक मेले में डॉ. परदेशीराम वर्मा की रचनावली के प्रथम खंड का विमोचन

दुर्ग/नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली के विश्व पुस्तक मेले में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध साहित्यकार, भिलाई (दुर्ग) निवासी डॉ. परदेशीराम वर्मा की रचनावली का कहानी खंड एक का विमोचन हुआ। डॉ. परदेशीराम वर्मा की कहानी सदी की कालजयी कहानियाँ में कमलेश्वर द्वारा संपादित चार खंडों के ऐतिहासिक प्रकाशन में चुनी गई। साहित्य अकादमी के इस प्रकाशन में उनकी कहानी दिन प्रतिदिन चुनी गई। इसी नाम से उनका प्रथम कथा संग्रह भी वाणी प्रकाशन से प्रकाशित है। कहानियों के प्रथम खंड पर केन्द्रित डॉ. परदेशीराम वर्मा की रचनावली के खंड एक का विमोचन प्रसिद्ध साहित्यकार फारूख आफदीदी, संजीव कुमार, गिरीश पंकज, डॉ. सुधीर शर्मा ने किया। छत्तीसगढ़ राज्य का शीर्ष साहित्य सम्मान पं. सुंदरलाल शर्मा सम्मान प्राप्त चर्चित लेखक डॉ. परदेशीराम वर्मा का उपन्यास आवा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के एम.ए. के पाठ्यक्रम में सम्मिलित है। अब तक कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, बाल काव्य संग्रह जीवनी की चालीस के ऊपर पुस्तकें तथा अगासदिया और आगमन त्रैमासिक के 102 अंक उनके संपादन में प्रकाशित है ।

डॉ. परदेशीराम वर्मा की कहानियाँ दसवीं, बी.ए. एवं एम.ए. के पाठ्यक्रमों में है। बंगला, मलयालम, तेलगू में उनकी कहानियाँ अनुदित है ।

छत्तीसगढ़ी उपन्यास आवा का अंग्रेजी में अनुवाद हो चुका है। उनकी कहानी पकड़ हिन्दी की प्रतिष्ठित पत्रिका साप्ताहिक हिन्दुस्तान में सर्वभाषा कहानी अंक में हिन्दी की प्रतिनिधि कहानी के रूप में प्रकाशित है। दूरदर्शन के लिए तीन सीरियल लिख चुके डॉ. परदेशीराम वर्मा भूतपूर्व सैनिक है। रचनावली खंड एक के अतिरिक्त प्रतिष्ठित कथा संग्रह विहग विहंगम का विमोचन भी दिल्ली पुस्तक मेले में हुआ। इस संग्रह में प्रेमचंद से लेकर आधुनिक सात कथाकारों की वे कहानियाँ है जो पशु पक्षी पर लिखित चर्चित कहानियाँ मानी जाती हैं। इनका संपादन प्रतिष्ठित कथाकार सुषमा मूनीन्द्र ने किया है। इसमें डॉ. परदेशीराम वर्मा की वागर्थ में प्रकाशित कहानी दोगला संग्रहित है । उपलब्धियों भरे लेखन और निरंतर प्रकाशन के लिए डॉ. सुधीर शर्मा, गिरीश पंकज, डॉ. अशोक आकाश, डॉ. सोनाली चक्रवर्ती, डॉ. रजनी नेलसन, रमेश शर्मा, बसंत राघव, राजेन्द्र साहू, छगनलाल सोनी, संतोष मांझी, विनायक अग्रवाल, राजेन्द्र बघेल, कौशल वर्मा ने बधाई दी। शीघ्र ही उनकी आत्मकथा सुरंग के उस पार का प्रकाशन वाणी प्रकाशन नई दिल्ली से हो रहा है।

भोरमदेव शक्कर कारखाना द्वारा गन्ना किसानों को 44.99 करोड़ रुपये का भुगतान

रायपुर

राज्य शासन के निर्देशानुसार भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, कवर्धा ने पेराई सत्र 2024-25 के अंतर्गत अब तक गन्ना किसानों को कुल 44 करोड़ 99 लाख रुपये का भुगतान किया है। कारखाना प्रबंधन ने गन्ना उत्पादक किसानों से अपील की है कि वे परिपक्व, साफ-सुथरा, बिना अगवा और बिना जड़ वाला गन्ना आपूर्ति करें। इससे शक्कर की रिकवरी दर में वृद्धि होगी, जिससे किसानों को बेहतर लाभ मिलेगा।

अपनी स्थापना से अब तक भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना गन्ना किसानों को समर्थन मूल्य, रिकवरी और बोनस मिलाकर लगभग 1210 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुका है, जिससे क्षेत्र के किसानों की आर्थिक और सामाजिक उन्नति को नई दिशा मिली है। कारखाना प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य किसानों के हितों को प्राथमिकता देना और उनके आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना है। समय पर भुगतान मिलने से किसानों का कारखाने और शासन-प्रशासन पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

वर्तमान पेराई सत्र 2024-25 में, कारखाने ने अब तक 2.72 लाख मीट्रिक टन गन्ने की पेराई कर 2.48 लाख क्विंटल शक्कर का उत्पादन किया है। इस उपलब्धि का श्रेय गन्ना उत्पादक किसानों के सहयोग, उनकी मेहनत और कारखाना प्रबंधन के कुशल संचालन को जाता है। कारखाना प्रबंधन ने गन्ना किसानों से अपील की है कि वे अपने गन्ने की आपूर्ति सीधे शक्कर कारखाने में करें, ताकि उन्हें समय पर उचित मूल्य प्राप्त हो सके।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गर्वनिंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

छत्तीसगढ़ का अनमोल खजाना

293 मिलियन साल पुराने समुद्री जीवाश्मों का राज़ खोलता गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क

रायपुर

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर छत्तीसगढ़ में घूमने-फिरने के लिए कई शानदार जगहें हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि हम पारंपरिक पर्यटन स्थलों से आगे बढ़कर राज्य के एक अनमोल खजाने गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क को जाने। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में स्थित यह पार्क एशिया का सबसे बड़ा समुद्री जीवाश्म उद्यान है, जो पृथ्वी के 293 मिलियन साल पुराने इतिहास की झलक दिखाता है। यह वह दौर था जब आज का यह भूभाग एक ठंडे समुद्र के नीचे डूबा हुआ था। यह जीवाश्म पार्क केवल अतीत की कहानी नहीं बताता, बल्कि भारत की भूगर्भीय विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने का अवसर भी प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ सरकार इस अनमोल धरोहर को दुनिया के सामने लाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे यह स्थान वैज्ञानिक पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हो सके।

इस पार्क की खोज 1954 में भूवैज्ञानिक एस.के. घोष ने कोयला खनन के दौरान की थी। इसकी खासियत न सिर्फ इसका विशाल क्षेत्रफल है, बल्कि यह भारत का एकमात्र ऐसा समुद्री जीवाश्म पार्क है जिसे राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारक का दर्जा प्राप्त है। यहां से द्विपटली (बायवेल्व) जीव, गैस्ट्रोपॉड, ब्रैकियोपॉड, क्रिनॉइड और ब्रायोज़ोआ जैसे समुद्री जीवों के जीवाश्म मिले हैं। ये जीवाश्म तालचिर संरचना से संबंधित हैं, जो पर्मियन युग के शुरुआती दौर को दर्शाते हैं।

शोधकर्ताओं का मानना है कि यह क्षेत्र समुद्री जलस्तर में अचानक हुई वृद्धि के कारण समुद्र में डूब गया था। ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र का जलस्तर बढ़ा और इस क्षेत्र में समुद्री जीवन का जमाव हुआ। बाद में जब जलस्तर घटा, तो ये समुद्री जीव चट्टानों में दब गए और लाखों वर्षों में जीवाश्म के रूप में बदल गए।

गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क केवल छत्तीसगढ़ या भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण भूवैज्ञानिक स्थल है। ऐसे ही जीवाश्म ब्राजील के पराना बेसिन, ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स, अंटार्कटिका के अलेक्जेंडर आइलैंड और दक्षिण अफ्रीका के कारू बेसिन में भी पाए गए हैं। यह पार्क गोंडवाना महाद्वीप के भूगर्भीय इतिहास को समझने में अहम भूमिका निभाता है।

बदलते मौसम और मानवीय गतिविधियों के कारण इस जीवाश्म उद्यान को नुकसान पहुंचने का खतरा है। इसे संरक्षित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं। अगस्त 2021 में बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज के वैज्ञानिकों, छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड और वन विभाग के अधिकारियों ने इस क्षेत्र का निरीक्षण किया था। मार्च 2022 में छत्तीसगढ़ वन विभाग ने इसे राज्य का पहला मरीन फॉसिल पार्क घोषित किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार इस जीवाश्म पार्क के विकास के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। इसके सौंदर्यीकरण के लिए 41.99 लाख रुपये स्वीकृत किए गए है। पार्क के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और इसे पर्यटन व अनुसंधान के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं।